RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

RIICO

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

10th SST ECONOMICS

भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक

CHAPTER 02 • PART 03



LIVE | 26 AUG | 6 PM

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढेंगे ?

1. संगठित एवं असंगठित क्षेत्रक



संगठित एवं असंगठित क्षेत्रक



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



संगठित एवं असंगठित क्षेत्रकों के रूप में विभाजन

आधार	संगठित क्षेत्रक	असंगठित क्षेत्रक
पंजीकरण	सरकार के पास पंजीकृत	अधिकांशतः सरकार के पास पंजीकृत नहीं
नियम एवं विनियम	सरकारी नियमों एवं विनियमों का पालन करता है	नियम होते हुए भी प्रायः उनका पालन नहीं किया जाता

आधार	संगठित क्षेत्रक	असंगठित क्षेत्रक
रोजगार-सुरक्षा	रोजगार की अधिक सुरक्षा	रोजगार सुरक्षित नहीं होता; श्रमिकों को काम से हटाया जा सकता है।
कार्य के घंटे	निश्चित कार्य -समय भुगतान	कार्य के घंटे निश्चित नहीं होते और काम के अनुसार बदल सकते हैं।
अतिरिक्त समय में काम	निर्धारित समय से अधिक काम करने पर अतिरिक्त वेतन दिया जाता है।	अतिरिक्त समय में काम करने के लिए प्राय: अतिरिक्त वेतन नहीं मिलता।

आधार	संगठित क्षेत्रक	असंगठित क्षेत्रक
लाभ	सवेतन छुट्टी, अवकाश, भविष्य निधि, सेवानुदान तथा चिकित्सा लाभ	सामान्यतः ऐसे लाभ उपलब्ध नहीं होते।
कार्य-पर्यावरण	पेयजल जैसी सुविधाओं के साथ सुरक्षित कार्य-पर्यावरण	कार्य-पर्यावरण प्रायः असुरक्षित तथा आवश्यक सुविधाओं से वंचित हो सकता है।
पेंशन	सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन की सुविधा	सामान्यतः पेंशन की सुविधा नहीं होती।

आधार	संगठित क्षेत्रक	असंगठित क्षेत्रक
उदाहरण	कारखाने, सरकारी कार्यालय, बड़े प्रतिष्ठान/कंपनियाँ	सड़क विक्रेता, छोटी दुकानें, घरेलू श्रमिक, घर पर काम करने वाले श्रमिक

असंगठित क्षेत्रक के श्रमिकों का संरक्षण



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

असंगठित क्षेत्रक की समस्याएँ

1. कम मजदूरी और शोषण
2. रोजगार की असुरक्षा तथा अन्य लाभों का अभाव
3. संगठित क्षेत्रक में रोजगार के अवसरों की धीमी वृद्धि के कारण काम मिलने में कठिनाई
4. कुछ समूहों के साथ सामाजिक भेदभाव



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

असंगठित क्षेत्रक के बड़े होने के कारण

1. संगठित क्षेत्रक में रोजगार के अवसरों की धीमी वृद्धि।
2. कुछ संगठित क्षेत्रक के उद्यम ऐसी रणनीतियाँ अपनाते हैं जिनसे काम असंगठित रूप में कराया जाता है। जैसे—करों से बचना तथा श्रमिकों को संरक्षण देने वाले कानूनों का पालन करने से बचना।

असंगठित क्षेत्रक में श्रमिकों के प्रकार (ग्रामीण क्षेत्र)

1. भूमिहीन कृषि श्रमिक
2. छोटे और सीमांत किसान
3. फसल बँटाईदार
4. कारीगर — जैसे बुनकर, लुहार, बढ़ई आदि



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

असंगठित क्षेत्रक में श्रमिकों के प्रकार (शहरी क्षेत्र)

1. लघु उद्योगों के श्रमिक
2. निर्माण, व्यापार एवं परिवहन में कार्यरत आकस्मिक श्रमिक
3. सड़क विक्रेता, सिर पर बोझ ढोने वाले श्रमिक, वस्त्र-निर्माण करने वाले तथा कबाड़ उठाने वाले श्रमिक



विशेष रूप से कमजोर श्रमिक वर्ग

- अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ी जातियों से संबंधित श्रमिक

सरकारी सहायता

- ग्रामीण किसान

1. समय पर बीज उपलब्ध कराना
2. कृषि-उपकरण उपलब्ध कराना
3. साख/ऋण की सुविधा
4. भंडारण सुविधा
5. विपणन केंद्रों की सुविधा

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

☛ लघु उद्योग — उत्पादन प्रभावित

1. कच्चे माल की प्राप्ति में सहायता
2. उत्पादों के विपणन में सहायता

☛ आकस्मिक श्रमिक

1. शोषण से संरक्षण

सवेतन अवकाश

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रक









RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

स्वामित्व के आधार पर क्षेत्रक — सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रक

आधार	सार्वजनिक क्षेत्रक	निजी क्षेत्रक
स्वामित्व	परिसंपत्तियों पर सरकार का स्वामित्व होता है।	परिसंपत्तियों पर किसी व्यक्ति या कंपनी का स्वामित्व होता है।
लाभ का उद्देश्य	इसका उद्देश्य केवल लाभ कमाना नहीं होता।	इसकी गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य लाभ अर्जित करना होता है।

आधार	सार्वजनिक क्षेत्रक	निजी क्षेत्रक
वित्त-पोषण	करों तथा सरकार की अन्य आय से वित्त-पोषित	वस्तुओं एवं सेवाओं की बिक्री तथा निवेश से प्राप्त आय से वित्त-पोषित
उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाएँ	समाज के लिए आवश्यक सार्वजनिक सेवाएँ — जैसे रक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य	ऐसी वस्तुएँ एवं सेवाएँ जिनके लिए उपभोक्ता भुगतान करते हैं

आधार	सार्वजनिक क्षेत्रक	निजी क्षेत्रक
मूल्य निर्धारण	सेवाएँ निःशुल्क या रियायती दरों पर उपलब्ध हो सकती हैं।	मूल्य सामान्यतः बाजार के अनुसार निर्धारित होते हैं।
मुख्य उद्देश्य	सामाजिक कल्याण एवं सार्वजनिक हित	मालिकों एवं हिस्सेदारों के लिए लाभ अर्जित करना
उदाहरण	रेलवे, डाकघर, विद्यालय, अस्पताल	टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज,

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आवश्यक सेवाओं को सरकारी सहायता देने के कारण

1.	उद्योगों के लिए उचित कीमत पर सुविधाएँ उपलब्ध कराना
2.	किसानों और उपभोक्ताओं के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करना
3.	सरकार की प्रमुख जिम्मेदारियाँ

3.	सरकार की प्रमुख जिम्मेदारियाँ
अ.	स्वास्थ्य और शिक्षा
ब.	मानव विकास
स.	क्षेत्रीय विकास

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER





अ स्वास्थ्य एवं शिक्षा

- सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य एवं शिक्षा सुविधाएँ उपलब्ध कराना सरकार का कर्तव्य है।
- निरक्षरता, शिशु मृत्यु दर और कुपोषण जैसी समस्याओं पर ध्यान देना।

ब	मानव विकास

सुरक्षित पेयजल, निर्धनों के लिए आवास तथा भोजन एवं पोषण जैसी बुनियादी आवश्यकताओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना।

विशेष लोगों को पानी, कौशल



स	क्षेत्रीय विकास

- देश के अत्यंत निर्धन और उपेक्षित क्षेत्रों में आधारभूत संरचना तथा सामाजिक विकास कार्यक्रमों पर निवेश करके क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना।